तेल ताड़ की खेती

भा.कृअनु.प.-भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान
पेदवेगी - 534 450, पश्चिम गोदावरी जिला,
आन्ध्र प्रदेश

प्रकाशक
डा. एस. अरुलराज, निदेशक
भा.कृ.अनु.प. - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान
पेदवेगी, प.गोदावरी जिला, आन्ध्र प्रदेश
फोन : 08812`259532, 259524
फैक्स : 08812`259531
ई-मेइल : dopr2009@gmail.com
वेब साइट : http://dopr.gov.in

संकलन और सम्पादन
डा. एम.वि. प्रसाद, प्रमुख वैज्ञानिक
डा. पि. कालिदास, प्रमुख वैज्ञानिक
डा. बी. नरसिंहराव, प्रमुख वैज्ञानिक
डा. के. सुरेश, प्रमुख वैज्ञानिक
डा. के. रामचन्द्रुडू, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डा. के. प्रवीण दीप्ती, वैज्ञानिक
डा. के.एल. मेरी रानी, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डा. एल. सरवनन, वैज्ञानिक
श्री के. वज्राल राजू, प्रशिक्षण सहयोगी

दूसरा संस्करण : 2015

हिन्दी अनुवाद और सम्पादन
डा. एम.वि. प्रसाद, प्रमुख वैज्ञानिक
डा. आर.के. माथुर, प्रमुख वैज्ञानिक

आई.एस.बी.एन. : 81-87561-40-8

मुद्रक : स्वप्ना आर्ट होम, विजयवाडा, ✆ 9246464115

आमुख

भारत में तेल ताड़ की खेती का क्षेत्र हर वर्ष तेज़ी से बढ रहा है। किसानों को इसकी खेती की ओर आकर्षित करने के लिए और क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम को मज़बूत करने के लिए इसकी उत्पादकता बढ़ाने और उत्पादन पर होने वाली लागत को कम करना जरूरी है।

तेल ताड़ की खेती में उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने आन्ध्र प्रदेश के पेदवेगी में भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान को स्थापित किया। उच्च पैदावर प्राप्त करने के लिए किसानों को सिफारिश की गयी प्रथाओं को उचित समय पर अपनाना चाहिए। खेती की लागत को कम करने और शुद्ध आय में वृद्धी करने में मदद मिलेगी, सिफारिश की गयी तकनीकियों को अपनाने से किसानों, विकास विभाग और प्रसंस्करण क्षेत्र के अधिकारियों को इसे आसानी से समझने के लिए, यह तकनीकी पुस्तक स्पष्ट अर्थ में लायी गयी है। मुझे आशा है कि इस पुस्तक से प्रौद्योगिकियों का प्रसार करने में विस्तार कर्मचारियों को अधिक कुशलता होगी।

मैं भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों का आभार प्रकट करता हुँ जिनके सहयोग से इस तकनीकी पुस्तक का संकलन और प्रकाशन संभव हो पाया है।

डा. एस. अरुलराज

निदेशक

भा.कृ.अनु.प - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान

पेदवेगी,

8-1-2015

विषय सूची

विषय		पृष्ठ संख्या
जलवायु सम्बन्धी आवश्यकताएं	.....	07
कृषि योग्य किस्में	.....	08
रोपण का समय	.....	08
रोपण विधि	.....	09
सिंचाई प्रबन्धन	.....	10
उर्वरक प्रयोग	.....	13
थाला प्रबन्धन	.....	15
खरपतवार नियंत्रण	.....	15
अन्तः सस्यन फसले	.....	16
पुष्पन	.....	18
पुष्पक्रमों को तोड़ना (एब्लेशन)	.....	19
परागण	.....	19
पलवार	.....	19
आच्छादन फसलें उगाना	.....	20
हरी खाद वाली फसलें उगाना	.....	20
कटाई	.....	20
पोषक तत्वों की कमी का प्रबंध		
नाइट्रोजन	.....	23
फास्फोरस	.....	25
पोटेशियम	.....	26
मैग्नीशियम	.....	28
बोरॉन	.....	29
सफेद धारी	.....	30

पीड़क का प्रबन्ध
रिनोसिरस भृंग 31
पपड़ीदार कीट 33
मीली बग 34
घोंघा इल्ली 35
बैग कृमि 36
छाफर भृंग 37
दीमक 38
पत्ती खाने वाली इल्ली 39
पक्षी 40
चूहे 41
जंगली सूअर 42
बीमारियां और उनका प्रबंध
आधारीय तना विगलन 43
कली विगलन 45
आर्द्र तना विगलन 47
नारंगी चित्ती 49
गुच्छा अन्त विगलन 51
ऊपरी तना विगलन 53
भालाकार विगलन 54
फल विगलन 56
शीर्ष रोग 57
शीर्ष टूटना 58
गुच्छा अन्त विगलन 56
गुच्छा विफलता 60
कीट परागण के बारे में 62
कीटनाशी और फफूँदनाशी की अनुकूलता का नक्शा 63
कीटनाशी और फफूँदीनाशी 64
ऊर्वरक में पोषक मात्रा 65
तेल ताड़ : एक नज़र में 66